विद्यानिकेतन के

शेर केशर

परियोजना कार्य

कु. : आरती .ब

विषय

अध्यापक

शेना कुँवर

हिंदी की कविताएँ

विषय सूची

1.	कोशिश	1-2
2.	मुस्कुराना	3-4
3.	बरसात की सुंदरता	5-6
4.	सर्दी, गरमी और बरसात	7-8
5.	कब्रिस्तान में कार्यक्रम	9-10
6.	तितली रानी	11-12
7.	परिक्षा	13-14
8.	माँ ! तुम	15-16
9.	मेरा बचपन	17-18
10.	फुटबॉल का बुखार	19-20
11.	हाय! सुनामी	21-22
12.	प्यारी गुड़िया	23-24
13.	चुनाव	25-26

कोशिश

चाह जो दिल से मुस्कमित होगी, राह फिर कौन सी मुश्किल होगी।
आदमी ने कदम बढ़ाया तो, पहले ही पाँव पर मंजील होगी॥

हार नही होती
लहरो से डर कर, नौका पार नहीं होती।
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती॥
डूबकियाँ सिंधू में गोताखोर लगाता है,
जा-जाकर खाली हाथ लौट आता है।
मिलते न सहज ही मोती गहरे पानी में,
बढ़ता दूना उत्साह इसी हैरानी में।
मुठ्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती,
कोशिश करनेवालो की हार नहीं होती॥

नन्हीं चींटी जब दाना, लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर सौ, बार फिसलती है।
मन का विश्वास रगों, में साहस भरता है,
~~असफल~~ गिरकर चढ़ना, न अखरता है।

आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।।

असफलता एक चुनौती है- स्विकार करो,
क्या कमी रह गई देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन की त्यागो तुम,
संघर्षों का मैदान छोड़, मत भागो तुम।
कुछ किए बिना ही, जयजयकार नहीं होती,
कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती।।

मुस्कुराना

आदत बना लो,
हमेशा मुस्कुराने की,
कठिनाइयों और परेशानियों में,
किसी के काम आने की,
परिश्रम से, कर्त्तव्य से,
जी न चुराने की,
ज़रा-ज़रा सी बात पर,
हल्ला न मचाने की,
निन्दा न करने की,
चुगली न करने की,
किय हुय वादे को
हमेशा निभाने की,
आदत बना लो
हमेशा मुस्कुराने की।

बरसात की सुंदरता

बरसात बादलों से
बरसते हुए जमीन पर आती है
बरसात के आने से पशु-पक्षियों
को जीवन दान मिलता है।

बरसात के आने से वातावरण
सुखमय हो जाता है
अपनी बूंदों से यह धरती को
प्राणियों को तृप्ति दिलाती है।

बच्चे खूब मजा लेते बरसात का
कागज की नाव बनाकर बहाते
जमीन को हरा भरा कर देती है।

सरदी, गरमी और बरसात

किट, किट, किट, किट बजते दाँत
निकल न पाती मुँह से बात।
थर, थर, थर, थर काँपे हम,
आई सरदी ठिठुरें हम।

सनन - सनन लू चलने लगती,
गरम तवे सी धरती जलती।
पोखर में जा भैंस नहाई,
गरमी आई, गरमी आई।

बूँदें गिरतीं
बिजली
छम, छम, छम,
चमकी चम, चम, चम।

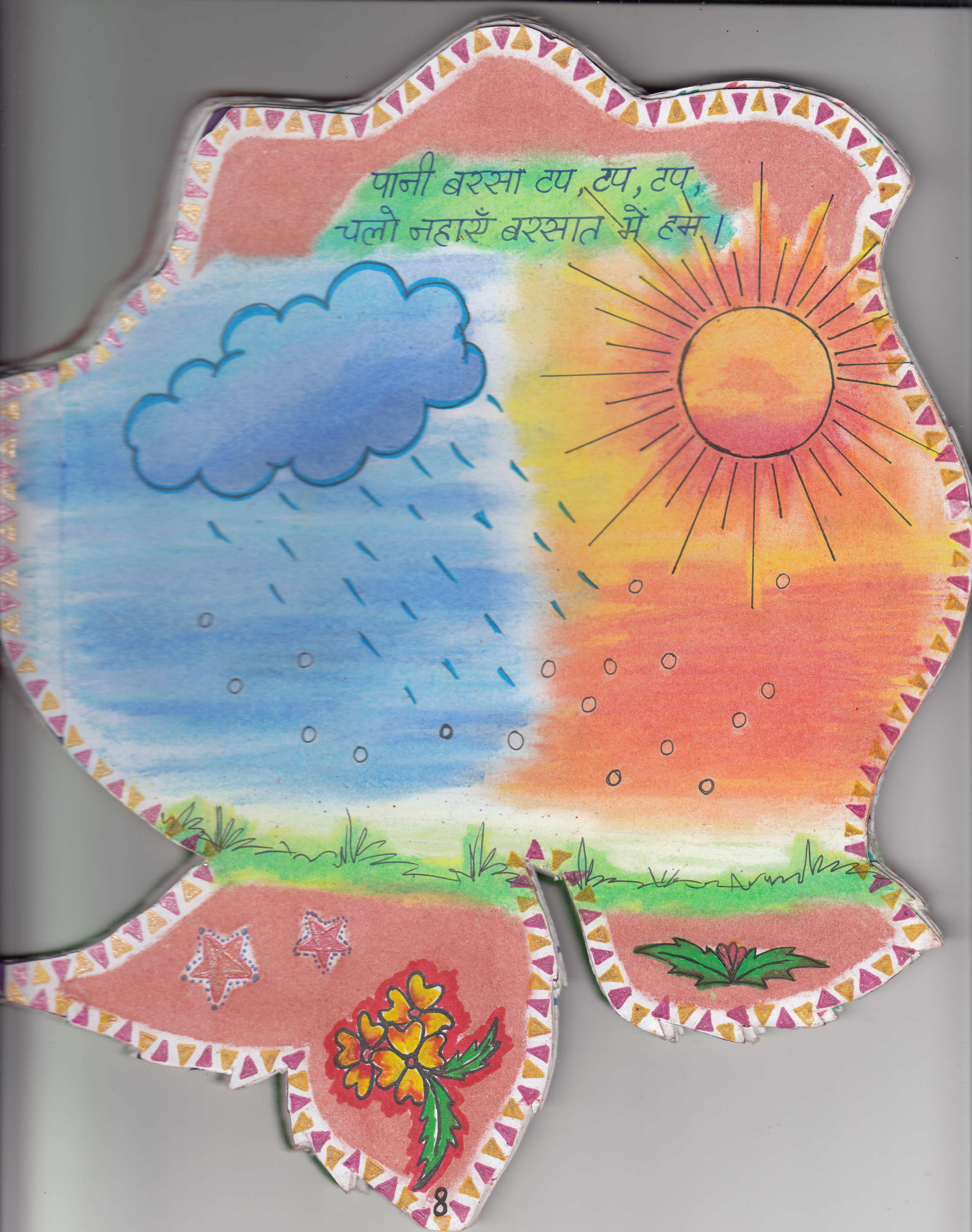
पानी बरसा टप, टप, टप,
चलो नहाएँ बरसात में हम।

कब्रिस्तान में कार्यक्रम

हमें तो अपनो ने लूटा है
गैरों में कहाँ दम था।
मेरी हड्डी वहाँ टूटी
जहाँ अस्पताल बंद था।

मुझे उस वाहन में बैठाया
जिसका पेट्रोल खत्म था।
मुझे फिर रिक्शे में बैठाया
क्योंकि उसका किराया कम था।

मुझे तो डॉक्टरों ने उठाया
नर्सों में कहाँ दम था।
फिर मुझे उस बेड पर लिटाया
जिसके नीचे बम था।

मुझे तो बम से उड़ाया
गोली में कहाँ दम था।
फिर मुझे सकड़ पर दफनाया
क्योंकि उस दिन कब्रिस्तान में कार्यक्रम था।

तितली रानी

रंग-बिरंगे पंख तुम्हारे
इधर-उधर मंडराती हो,
कली-कली से फूल-फूल से
उनका रंग ले आती हो।

इंद्रधनुष के रंग साथ ले
जहाँ-जहाँ तुम जाती हो,
बच्चे, बूढ़े और युवा
सबका मन हरषाती हो।

तितली रानी, यह बतलाओ
हमसे तुम रूठी हो क्यों ?
फूलों से तो बातें करती
हमसे दूर रहती हो क्यों ?

पास यदि हम आँय तुम्हारे,
तुरंत दूर उड़ जाती हो,
हमसे भी तो करो मित्रता
इतना क्यों शरमाती हो ?

परीक्षा

साल भर मैंने खूब ली शिक्षा,
अब सिर पर आई परिक्षा।
न पढ़ने पर पापा ने कान खींचा,
रातभर मैंने आँखों को नहीं मींचा।
और येन केन प्रकारेण में दे आए परीक्षा,
टीचर ने कॉपी की, ऐसी की समीक्षा,
जैसे नम्बर नही, माँग रहे हो भिक्षा,
दूसरी कक्षा में जाने की हो सके पूरी इच्छा।
तो फिर मम्मी ने मेरे घर में,
मुझे दी अच्छे से पढ़ने की शिक्षा,
तब टल गई कुछ दिनो के लिए,
फिर यह परीक्षा,
हाय रे परीक्षा, हाय रे परीक्षा।

HISTORY
ENGLISH
HINDI
MATHS
MATHEMATICS
Class-8
ROCK

माँ! तुम

माँ तुम कितनी अच्छी हो
मन की कितनी सच्ची हो,
रात को लोरी गाते - गाते
लगती भोली बच्ची हो।
काम करती हो दिनभर सारा
फिर भी उफ नहीं करती हो,
हरपल मानो या ना मानो
प्यार सदा तुम करती हो।
हरपल हरदम तुम हमारा
ध्यान कितना रखती हो,
झूठे बहानों को सच मानती
बस, यहीं अक्ल की कच्ची हो।

मेरा बचपन

मेरा बचपन बड़ा सुहाना,
सभी के लिए मैं हूँ दीवाना।
सब करते थे मुझसे प्यार,
तब मैं था सबका दिलदार।

जब मैं था छोटा बच्चा,
तब मैं था बड़ा ही सच्चा।
तब मैं था बड़ा ही सुन्दर,
और अब माँ कहती- तू है दुनिया का सबसे बड़ा बंदर।

जब मैं सोचता था बचपन के दोस्तों के बारे में,
तब एहसास होता था कि अब मैं खो बैठा हूँ -
अंधेरे के जाले में।

फुटबॉल का बुखार

देखो देखो बुखार है आया
किस चीज का बुखार है छाया
नहीं पता है क्या ?
मैं गई डॉक्टर के पास
लगा दी उसने मुझको ठक से सुई
चिल्ला पड़ी मैं और बोली
ये है फुटबॉल का बुखार

होते इसमें ग्यारह खिलाड़ी
जो बजा देते देखने वालो का बाजा
फिर मैं सोचती काश ! मैं भी होती भारतीय टीम की एक
खिला ड़ी
और वैसे ही बजा देती देखने वालों का बाजा

आखिर में मैं यही कहूँगी
मुझको भी चढ़ा था यह बुखार
फिर मम्मी की पिटाई से
सर से उतरा मेरा यह बुखार
तुमको भी तब चढ़ेगा
जब खेल के देखोगे तुम
फुटबॉल का यह खेल निराला।

हाय! सुनामी

हमने सोचा देर तक सोएँगे आज
सुबह-सुबह ही गिर गई भूकंप की गाज
भूकंप की गाज ने, याद दिला दी नानी
पीछे-पीछे आ गया - कई मीटर पानी
कई मीटर पानी ने गिरा दिया मकान
आते-जाते ले गया मेरा सारा समान
मेरा सारा समान कर गया घर से बेघर
भूखे प्यासे रहे कई दिन लगता था डर
लगता था डर हमने छोड़ा काला पानी
आँखे भर आती हैं जब याद आती यह सुनामी
हाय! सुनामी! हाय सुनामी!

प्यारी गुड़िया

आओ मेरी प्यारी गुड़िया,
यह लो अपना खाना खाओ,
चबा-चबाकर खा लेना,
जल्दी-जल्दी खतम कर लो।
आओ मेरी प्यारी गुड़िया,
यह लो अपनी नई शाल,
पहनकर तुम नाच लेना,
कंघी कर लो अपने बाल।
आओ मेरी प्यारी गुड़िया,
ध्यान से तुम खेलना सीखो,
पहाड़ पर नहीं तुम चढ़ना,
आओ तुम, मेरे पास आओ।

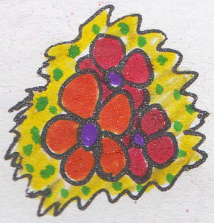

चुनाव

चुनाव आए, चुनाव आए,
पोस्टर और झंडे साथ लाए।
बड़े-बड़े स्पीकर्स भी साथ आते,
हमारे कान के पर्दे उड़ाते।

वोट दो वोट दो सुनकर हम पक जाते,
किसको वोट दें सोचकर हम थक जाते।
रेडियो में भी स्पीच सुनाते,
बुरे-बुरे से गाने भी सुनवाते।
हम सोचते जल्दी से खत्म हो ये,
तो हम आराम से छुट्टियाँ मनाते।
काला मार्क उँगली में लगाते,
हड़बड़ी में यह मार्क नागिन बन जाते।
और कोई भी solvent से नही जाते

बस अब खत्म हो जाते ये चुनाव ही दुआ करते।

चुनाव आए, चुनाव आए
जाते वक्त गंदगी छोड़कर जाए।

समूह सदस्य

अंजली, प्रवीणा, प्रियंका, दिव्या, साची,
मधुबाला, आरती, श्रद्धा, शहनाज, श्रीशा,
गौरव, इन्द्र, पवन, निलेश, नितिश,
रोहितन, ऋशभ, साहिल, शाहिबिल, केशवन,
अनुराग।

Congrats